मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 09, मुंबई, शनिवार, 29 जनवरी, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)

अब हर सच होगा उजागर

TET Exam Scam

महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा में बड़ा घोटाला

पुणे साइबर पुलिस 2018 और 2020 के टीईटी घोटाले की जांच कर रही है

एमएससीई, पुणे द्वारा 2019-20 में ली गई शिक्षक पात्रता परीक्षा में जिन 16 हजार 592 उम्मीदवारों को पास घोषित किया गया था, जांच में पता चला कि उनमें से सात हजार आठ सौ उम्मीदवार फेल थे

7 हजार 800 फेल छात्रों को पैसे लेकर पास किया गया

मुंबई। महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा घोटाला मामले में रोज नए चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा में फेल हुए 7 हजार 800 परीक्षार्थियों से पैसे लेकर उन्हें पास करने का मामला सामने आया है। साइबर पुलिस की जांच में यह खुलासा हुआ है। (समाचार पृष्ठ 3 पर)

पिछले 8 सालों के रिजल्ट की जांच के आदेश

ये आरोप लगते रहे हैं कि 2013 से ही इस भर्ती परीक्षा में घोटाले हो रहे हैं। इसी वजह से पिछले आठ सालों के रिजल्ट और प्रमाण पत्रों की जांच का निर्णय लिया गया है। पिछले 15 दिनों में राज्य के साढ़े पांच हजार शिक्षकों ने अपने प्रमाणपत्र महाराष्ट्र राज्य शिक्षा परिषद को भेजे हैं। इस घोटाले के सामने आते ही खास कर राज्य की परीक्षाओं की तैयारी करने वाले गंभीर परीक्षार्थी सकते और सदमे में हैं। हजारों ऐसे योग्य उम्मीदवारों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया, जिन्होंने दिन-रात गंभीरता से परीक्षा की तैयारी की थी और वे पैसे ना देने की वजह से पास विद्यार्थियों की सूची में अपना नाम दर्ज नहीं करवा सके।

कर्नाटक के पूर्व सीएम येदियुरप्पा की पोती सौंदर्या ने की आत्महत्या

बेंगलुरु के एक अपार्टमेंट में लटका मिला शव

संवाददाता

कर्नाटक। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी के दिग्गज नेता बीएस येदियुरप्पा की पोती सौंदर्या ने शुक्रवार को फांसी लगाकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। वह 30 साल की थीं। फिलहाल शव का बॉरिंग एंड लेडी कर्जन अस्पताल में पोस्टमॉर्टम चल रहा है। बीएस येदियुरप्पा के कार्यालय ने इसकी जानकारी दी है। (समाचार पृष्ठ 3 पर)

प्रकाश आंबेडकर का गंभीर आरोप

सत्ता में आने के लिए हिंदू-मुस्लिम विवाद भड़काने की कोशिश में बीजेपी

संवाददाता

मुंबई। मालाड इलाके में एक खेल के मैदान का नामकरण टीपू सुल्तान पर किए जाने का बीजेपी विरोध कर रही है। इस मामले को लेकर भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर के पोते और वंचित बहुजन आघाडी के नेता प्रकाश आंबेडकर ने बीजेपी पर एक गंभीर आरोप लगाया है। पुणे से सटे पिंपरी चिंचवड इलाके में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, मुंबई में हो रहे टीपू सुल्तान नामकरण से जुड़े विवाद को मैं बहुत अहमियत नहीं देता। आरएसएस और बीजेपी को लगता है कि एंटी मुस्लिम लहर तैयार करके ही चुनाव में जीत हासिल की जा सकती है। (समाचार पृष्ठ 3 पर)

ओमिक्रॉन के बढ़ते मामलों के बीच ब्लैक फंगस ने दी मुंबई में दस्तक

70 साल की महिला में दिखे लक्षण

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में बीते कुछ दिनों से कोरोना के मामलों में थोड़ी कमी आई है, लेकिन इसका खतरा टल गया है ये कहना सही नहीं होगा। बीते 24 घंटों में कोरोना के 25,425 नए मामले सामने आए हैं। हालांकि, राहत की बात ये है कि इस दौरान 36,708 लोग स्वस्थ भी हुए हैं जबकि, 42 मरीजों की मृत्यु हो गई है। राज्य में कोरोना के एक्टिव मामले अब 2 लाख 87 हजार 397 हैं। (समाचार पृष्ठ 3 पर)

मुंबईः 18,000 रुपये की रिश्वत लेते पकड़ा गया पुलिस कर्मी

मुंबई। भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो (एसीबी) ने एक सहायक पुलिस निरीक्षक और एक अन्य व्यक्ति को बृहस्पतिवार रात एक व्यक्ति से 18,000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा। एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि पुलिस कर्मी ने एक मामले के संबंध में उसके रिश्तेदार के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं करने का वादा किया था। उन्होंने बताया कि डोंगरी थाने के एपीआई संजीव निंबालकर (50) और एक अन्य व्यक्ति मोहम्मद अली वली मंसूरी (41) को बृहस्पतिवार रात रिश्वत लेते पकड़ा। (समाचार पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

पाबंदियों में ढील

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोरोना के चलते लगी पाबंदियों में ढील का जहां स्वागत होना चाहिए, वहीं लोगों को बचाव के प्रति किसी तरह की कोताही नहीं बरतनी चाहिए। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की गुरुवार को हुई बैठक में पाबंदियों में बहुत राहत दी गई है। सबसे बड़ा फैसला यह है कि सप्ताहांत में लगने वाले कर्फ्यू को खत्म करने का निर्णय लिया गया है। बाजारों को ऑड-ईवन के आधार पर खोलने की शर्त को भी अब खत्म कर दिया गया है। रात्रिकालीन कर्फ्यू जारी रहेगा, लेकिन 50 प्रतिशत क्षमता के साथ रेस्तरां, बार और सिनेमा हॉल में कारोबार को मंजूरी जरूरी है। सरकारी कार्यालयों को भी आधी क्षमता के साथ खोलने को मंजूरी मिल गई है, तो जाहिर है, निजी के साथ-साथ सरकारी कामकाज में भी तेजी लौटेगी और बेरोजगारी को बढ़ने से रोका जा सकेगा। वास्तव में, दिल्ली एक ऐसा शहर है, जहां लाखों लोग बाहर से रोजगार-धंधे के लिए आते हैं। असंगठित क्षेत्र भी बहुत विशाल है, लॉकडाउन जैसी स्थिति बनने पर हताशा का आलम लौट सकता है। अतः ज्यादा समय न गंवाते हुए दिल्ली सरकार ने जारी पाबंदियों में ढील देने का सही फैसला किया है। शादियों की वापसी होनी है, जिनमें 20 के बजाय अब 200 लोग शामिल हो सकेंगे। मध्य जनवरी से पहले दिल्ली में कोरोना के मामले बढ़ने लगे थे। प्रतिदिन 50,000 से ज्यादा मामले आने लगे थे, लेकिन अब गिरावट जारी है। प्रतिदिन के मामलों की संख्या 10,000 से भी कम हो गई है, इसलिए विगत पांच-छह दिनों से सरकार पर दबाव बढ़ रहा था कि वह पाबंदियों में ढील दे, ताकि सामान्य जनजीवन और रोजगार-धंधों की वापसी हो। बाजार की ओर से जो दबाव बढ़ रहा था, उसे कतई गलत नहीं कहा जा सकता। जनवरी की शुरूआत में जब मामले बढ़ने लगे थे, तब आशंकाएं बहुत बढ़ गई थीं। ओमीक्रॉन को लेकर भी तनाव था, पर तत्काल पाबंदियों की वापसी से मामले आशंका के अनुरूप नहीं बढ़े और यह एक तरह से सबक भी है। भविष्य में भी जब मामले तेजी से बढ़ेंगे, तब लोगों को कुछ पाबंदियों के लिए तैयार रहना होगा। अच्छा है कि अभी स्कूल नहीं खोले जा रहे हैं और मामलों के ज्यादा घटने का इंतजार है। तीसरी लहर को रोकने के लिए दिल्ली सरकार ने जो तत्काल कदम उठाए थे, उससे दूसरी राज्य सरकारों को भी सीखना चाहिए। देश में जहां भी मामले घट रहे हैं, वहां प्रतिबंधों में ढील चरणबद्ध ढंग से देना सही फैसला है। समग्रता में देखें, तो मध्य जनवरी में प्रतिदिन के मामलों की संख्या पांच लाख से ज्यादा हो गई थी, लेकिन अब तीन लाख से नीचे आ गई है। मतलब समग्रता में आंकडे.स्थिति के सुधरने का संकेत दे रहे हैं। बिहार में भी कोरोना के दैनिक मामले 12 हजार से ज्यादा पहुंच गए थे, लेकिन अब घटकर दो हजार के आसपास आ गए हैं। उत्तर प्रदेश में दैनिक मामले 15 हजार से ज्यादा हो गए थे, लेकिन अब 11 हजार से कम हो गए हैं। कुछ सुधार देखकर ढिलाई बरतने का खतरा नहीं उठाना चाहिए। उत्तर प्रदेश पर निगाह रखना ज्यादा जरूरी है। चुनाव आयोग और प्रशासन की मुस्तैदी के चलते पूरी कोशिश हो रही है कि भीड़ से बचा जाए। देश में सबसे विशाल आबादी वाले राज्य में चुनावों का सकुशल संपन्न हो जाना एक बड़ी सफलता होगी।

उफ! किसानों के बाद यूथ से खेला

पुलिस ने छात्रों पर लाठियां चलाईं, आंसू गैस के गोले छोड़े और पानी की बौछार की। फिर रेलवे ने चेतावनी दी कि आंदोलन करने वाले छात्र हमेशा के लिए रेलवे की नौकरी से वंचित कर दिए जाएंगे। सोचें, क्या लोकतंत्र में कोई सरकार अपने नागरिकों को ऐसी धमकी दे सकती है? इसके बाद उत्तर प्रदेश में पुलिस ने छात्रावासों में घुस कर छात्रों की पिटाई की और उन्हें गिरफ्तार किया। प्रयागराज में पुलिस के छात्रावासों में घुस कर छात्रों से मारपीट करने का पुलिस का वीडियो वायरल हुआ। जब चुनावी नुकसान होता दिखा तो फरवरी में होने वाली दूसरे चरण की परीक्षा टाल दी गई और पूरे मामले की जांच के लिए एक उच्चस्तरीय कमेटी बना दी गई। लेकिन इस पूरे प्रकरण में सरकार का असली मकसद जाहिर हो गया है, जिसे छात्र और युवा भी समझ गए हैं।

रेलवे में नौकरी की चाह रखने वाले युवाओं का आंदोलन भले बिहार और उत्तर प्रदेश में हुआ है लेकिन यह आंदोलन उसी तरह देश के हर युवा से जुड़ा है, जैसे दिल्ली की सीमा पर पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों का आंदोलन देश के हर किसान से जुड़ा था। देश के सभी राज्यों के किसान दिल्ली की सीमा पर मौजूद नहीं थे लेकिन उनको पता था कि इस आंदोलन की सफलता या विफलता उनके जीवन को गुणात्मक रूप से प्रभावित करेगी। वैसे ही देश भर के युवाओं की नजर बिहार और उत्तर प्रदेश के आंदोलन पर थी क्योंकि उनको पता है कि जिस मुद्दे पर इन दो सबसे बड़े राज्यों के छात्र और युवा आंदोलित हुए हैं वह देश के हर युवा के भविष्य को प्रभावित करने वाला है।

हर चीज को अखिल भारतीय बनाने की इस सरकार की जिद ने सारी पारंपरिक और आजमाई हुई व्यवस्था को उलट-पलट दिया है। मेडिकल में दाखिले की अखिल भारतीय परीक्षा व्यवस्था ने तमिलनाडु में कितने ही छात्रों का भविष्य अंधकार में डाल दिया है। उसी तरह पहले भारतीय रेलवे की भर्ती परीक्षाएं मंडल के हिसाब से होती थीं। हर मंडल में पदों की रिक्ति के हिसाब से नियुक्तियां निकाली जाती थीं और उसकी परीक्षा होती थी। लेकिन अचानक सरकार को एक दिन इलहाम हुआ कि रेलवे की भर्ती परीक्षा अखिल भारतीय होनी चाहिए और फिर 2016 से अखिल भारतीय परीक्षा होने लगी। कहने की जरूरत नहीं है कि इसका मकसद राजनीतिक था। पिछले लोकसभा चुनाव से ठीक पहले भर्ती का बिग-बैंग ऐलान करने के लिए एक साथ रेलवे में एक लाख भर्तियों की बात कही गई।

हालांकि वास्तविक बहाली सिर्फ 35 हजार पदों पर होनी थी। अगर अलग अलग रेलवे जोन में बहाली निकलती तो उसका वह असर नहीं होता, जो एक साथ देश भर में हजारों भर्तियों की घोषणा से हुआ। लोकसभा चुनाव से ऐन पहले जनवरी 2019 में इसकी घोषणा हुई और फरवरी में इसकी अधिसूचना भी जारी हो गई और चुनाव के बाद सितंबर 2019 में परीक्षा की तारीख तय की गई। सरकार के विज्ञापन के जवाब में एक करोड़ 25 लाख छात्रों ने आवेदन किया था। इनकी छंटनी में देरी और फिर कोरोना के बहाने परीक्षा टलती रही। अंततः दिसंबर 2020 से परीक्षा शुरू हुई, जो सात चरणों में जुलाई 2021 में पूरी हुई, जिसके नतीजे अब आए हैं। घोषणा से लेकर परीक्षा और नतीजों तक इसमें इतनी गड़बड़ियां हुईं, जिसकी मिसाल मुश्किल है। ग्रुप-डी सेवा के लिए पहली बार ऐसा हुआ कि रेलवे ने दो परीक्षाएं कराने का फैसला किया। सोचें, कहां तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दावा किया था कि ग्रुप-डी सेवा के लिए परीक्षा की जरूरत नहीं होगी। लेकिन रेलवे ने उसके लिए दो परीक्षाओं की घोषणा कर दी। पहला कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट यानी सीटीबीटी-1 दिसंबर 2020 से जुलाई 2021 तक चला। सो, पहली गलती अखिल भारतीय सेवा बना कर देश भर की वैकेंसी एक साथ निकालना थी। दूसरी गलती 19,900 के वेतनमान वाले पद के लिए दो परीक्षाएं आयोजित करने का फैसला थी। तीसरी गलती घोषणा के बाद कम संख्या में छात्रों को दूसरे चरण के लिए चयनित करने की हुई। पहले कहा गया कि रिक्त पदों की संख्या से 20 गुना छात्रों को दूसरे चरण के लिए चुना जाएगा। इस लिहाज से 35 हजार पद के लिए सात लाख छात्रों का चयन किया जाना था पर अंत में चयन सिर्फ 3.84 लाख छात्रों का किया गया। चौथी गलती इसी से जुड़ी है। ग्रुप-डी में दो पदों के लिए परीक्षा में शामिल होने की न्यूनतम योग्यता 10+2 रखी गई और बाकी पदों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता स्नात्तक रखी गई। इसका मतलब यह था कि 10+2 की योग्यता वाले छात्र दो के अलावा बाकी श्रेणियों में आवेदन नहीं कर पाएंगे लेकिन स्नात्तक या उससे ज्यादा की योग्यता वाले हर श्रेणी में आवेदन कर पाएंगे। सो, ग्रुप-डी की दो सेवाओं में भी स्नात्तक और उससे ज्यादा योग्यता वालों ने आवेदन किया। जब दूसरे चरण के लिए चुने गए लोगों की संख्या रिक्त पदों की संख्या के 20 फीसदी की बजाय 10 फीसदी की गई यानी सात लाख की जगह तीन लाख 84 हजार छात्र चुने गए तो उनमें ज्यादातर ऐसे छात्र हो गए, जो स्नात्तक या उससे उच्च शिक्षा वाले हैं। विरोध कर रहे छात्रों का कहना है कि ग्रुप-डी और नॉन टेक्निकल पॉपुलर सर्विसेज यानी एनटीपीसी दोनों में उनको तरजीह मिली है, जिनके पास उच्च शिक्षा की डिग्री है। इस तरह परीक्षा में देरी, चयन की प्रक्रिया और चयनित छात्रों की संख्या को लेकर कई विसंगतियां दिखती हैं, जिनको लेकर छात्र आंदोलित हुए। इसमें एक दूसरी राजनीति भी है, जिसकी ओर बिहार के छात्रों ने ध्यान दिलाया। आवेदन करने वाले सवा करोड़ छात्रों में 21.89 लाख छात्र उत्तर प्रदेश के थे और 15 लाख छात्र बिहार के थे। लेकिन पहले चरण में चुने गए छात्रों में एक लाख छह हजार उत्तर प्रदेश के हैं और बिहार के सिर्फ 27 हजार छात्र हैं। सोचें, बिहार से डेढ़ गुना ज्यादा आवेदन यूपी का था, लेकिन चयनित उम्मीदवार चार गुना ज्यादा हैं! क्या यह सीधे उत्तर प्रदेश के चुनाव से जुड़ा हुआ मामला नहीं लग रहा है? इतना ही नहीं बिहार के 27 हजार से लगभग डेढ़ गुना 35 हजार चयनित छात्र राजस्थान के हैं। ध्यान रहे राजस्थान में अगले साल चुनाव हैं और लगभग उसी समय तक या उससे पहले तक नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी होनी है। इस भेदभाव ने बिहार के छात्रों को ज्यादा आंदोलित किया।

बहरहाल, सरकार ने बड़े कायदे से रेलवे की इस भर्ती का राजनीतिक फायदा लेने की योजना बनाई थी। एक लोकसभा चुनाव से ठीक पहले इसकी घोषणा की गई। उत्तर प्रदेश के चुनाव से ऐन पहले एक चरण के नतीजों का ऐलान हुआ और अगले लोकसभा चुनाव से ठीक पहले भर्ती की प्रक्रिया पूरी होती। लेकिन उससे पहले इस योजना की कमियां उजागर हो गईं और छात्रों की नाराजगी ने सारा खेल बिगाड़ दिया। अब छात्र बुरी तरह से आंदोलित हैं। उनको लग रहा है कि रेलवे ने उनके करियर से खिलवाड़ किया है। सो, उन्होंने आंदोलन किए, ट्रेनें जलाईं, स्टेशनों पर तोड़-फोड़ किए। असंवेदनशील सरकार ने पहले तो बलपूर्वक उनको दबाने का प्रयास किया, जैसा किसान आंदोलन के मामले में 26 नवंबर 2020 से पहले किया गया था। पुलिस ने छात्रों पर लाठियां चलाईं, आंसू गैस के गोले छोड़े और पानी की बौछार की। फिर रेलवे ने चेतावनी दी कि आंदोलन करने वाले छात्र हमेशा के लिए रेलवे की नौकरी से वंचित कर दिए जाएंगे। सोचें, क्या लोकतंत्र में कोई सरकार अपने नागरिकों को ऐसी धमकी दे सकती है? इसके बाद उत्तर प्रदेश में पुलिस ने छात्रावासों में घुस कर छात्रों की पिटाई की और उन्हें गिरफ्तार किया। प्रयागराज में पुलिस के छात्रावासों में घुस कर छात्रों से मारपीट करने का पुलिस का वीडियो वायरल हुआ। जब चुनावी नुकसान होता दिखा तो फरवरी में होने वाली दूसरे चरण की परीक्षा टाल दी गई और पूरे मामले की जांच के लिए एक उच्चस्तरीय कमेटी बना दी गई। लेकिन इस पूरे प्रकरण में सरकार का असली मकसद जाहिर हो गया है, जिसे छात्र और युवा भी समझ गए हैं।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

क्या पूर्व एनसीपी कलवा मुंब्रा अध्यक्ष रिनी रिजवी को बतौर तोहफे में दिए गए थाना मनपा प्रशासन की बनाई गई इमारत एमएमआरडीए में 13 फ्लैट

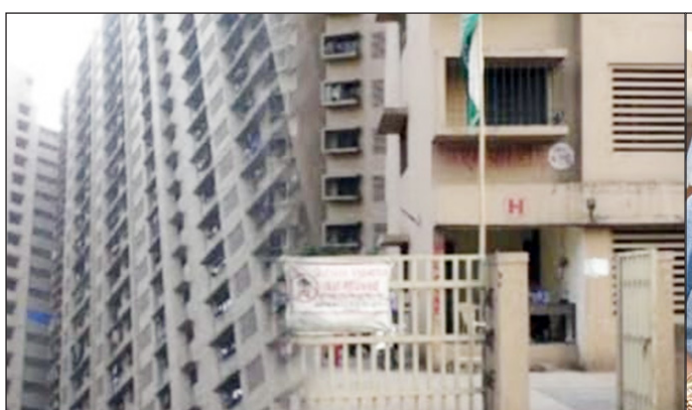

एमएमआरडीए की इमारत

महेश आहिरे के साथ रिनी रिजवी

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। एमएमआरडीए का मामले को जितना दबाने की कोशिश की जा रही है उतना ही इसका भ्रष्टाचार उजागर हो रहा है कहीं ना कहीं गरीबों की बद्दुआएं स्थावर मालमत्ता कार्यालयीन अधीक्षक महेश अहिरे को लगती हुई नजर आ रही है दरअसल शिलफाटा स्थित दोस्ती कंपलेक्स के पीछे थाना मनपा प्रशासन द्वारा बनाई गई इमारत एमएमआरडीए में रास्ता रुंदी करण फ्लाईओवर ब्रिज निर्माण के कारण ध्वस्त किए गए इमारत में रहने वालों को पुनर्वासित के लिए सरकार द्वारा यह मकान एमएमआरडीए में दिए जाने थे लेकिन गरीब लोगों को आज तक मकान थाना मनपा प्रशासन द्वारा मुहैया नहीं करा पा रही है और आज भी लोगों को दर-दर भटकना पड़ रहा है बड़े अफसोस की बात है थाना मनपा प्रशासन द्वारा बनाई गई इमारत एनएमआरडीए में जिनको मकान मिलना चाहिए उनको नहीं मिलने की बजाए धड़ल्ले से इस इमारत कि एच और आई विंग मैं फर्जीवाड़ा किया जा रहा है फर्जी कागजात बनाकर डुप्लीकेट कंप्यूटराइज चाबी बनाकर फर्जी अलॉटमेंट लेटर इत्यादि फर्जी सामग्री के तहत यह फ्लैट लोगों को बेचा जा रहा है इस मामले में 30 दिसंबर 2021 को मुंब्रा पुलिस की एपीआई कृपाली बोरसे द्वारा एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया जिसका नाम मुन्ना मर्चेंट बताया जा रहा है उसके घर की तलाशी के दौरान मुंब्रा पुलिस को तमाम फर्जी दस्तावेज तमाम फर्जी सामग्री यह व्यक्ति के घर से बरामद की गई उससे कथित पूछताछ के बाद छह और लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया गया कुल 7 लोगों की इस मामले में गिरफ्तारी मुंब्रा पुलिस द्वारा की गई उसके बाद अचानक मुंब्रा पुलिस की एपीआई कृपाली बोरसे का तबादला कर दिया गया और इस मामले में नया मोड़ तब आया जब पूर्व एनसीपी कलवा मुंब्रा की अध्यक्ष रिनी रिजवी को पूछताछ के लिए बुलाया गया तब जाकर पता चला कि एमएमआरडीए की H-Wing में 17 वें माले पर 13 फ्लैट 1 साल पहले इनके ताबे में दिए गए थे जिसका खुलासा सामने आने के बाद स्थावर मालमत्ता कार्यकालीन अधीक्षक महेश आहर कानूनों की बंदिशों में गिरते हुए साफ साफ नजर आ रही है क्योंकि इनकी जिम्मेदारी थी कि इस एमएमआरडीए में किसको फ्लैट देना चाहिए किसको नहीं आखिर यह तेरा फ्लैट किसके इशारे पर रिनी रिजवी को दिए गए हालांकि इनके बयान मुंब्रा पुलिस स्टेशन में दर्ज कराने के बाद बीते 4 दिन पहले ही मकानों को खाली कराया गया और इस मामले में यह बातें सामने आ रही है कि महेश आहिरे ने रिनी रिजवी के साथ अपना धर्म परिवर्तन करने के बाद शादी कर ली है अब देखना यह है इस मामले में जो नया मोड़ आया है उस के बाद पुलिस आयुक्त द्वारा इस मामले में जांच करने के लिए एसआईटी को सुपुर्द किया गया है अब यह तमाम खुलासे सामने आने के बाद एसआईटी का अगला कदम क्या होगा यह देखने वाली बात होगी क्या पुलिस आयुक्त द्वारा बनाई गई जांच के लिए एसआईटी टीम के अधिकारी इस फर्जीवाड़ा में लिप्त मनपा प्रशासन के बड़े अधिकारी को सलाखों के पीछे पहुंचाने में कितने कारगर साबित होते हैं यह तो समय ही बताएगा क्या यह मामला को फिर से पैसों के बल पर दबा तू नहीं दिया जाएगा इस मामले में हमारी पूरी नजर बनी रहेगी।

किसके द्वारा उपलब्ध कराई निधि से मिट्टी भरने का काम चल रहा है कौसा एमएमवैली परिसर के कब्रिस्तान में : एमआईएम नेता जावेद सिद्दीकी

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। अक्सर विवादों में रहने वाला कौसा एमएमवैली परिसर के कब्रिस्तान आज फिर मट्टी भरनी को लेकर सुर्खियों में आ गया है दरअसल मामला यह बताया जा रहा है काफी समय से समाज सेवा संस्थाओं द्वारा पत्र व्यवहार कर मिट्टी भरने की मांग थाने मनपा प्रशासन से कौसा कब्रिस्तान के लिए की जा रही थी अभी हाल ही में कब्रिस्तान में मट्टी डालने का काम शुरू ही किया गया था जिसमें यह बताया गया कि यह मिट्टी भरने का काम कलवा मुंब्रा के विधायक तथा राज्य के गृह निर्माण मंत्री जितेंद्र अवार्ड की विशेष निधि 50 लाख रुपए से किया जा रहा है जब इस बात की हकीकत जानने के लिए एआईएमआईएम के ट्रेजर जावेद सिद्दीकी द्वारा आरटीआई डाली गई आरटीआई के जवाब में यह स्पष्ट किया गया है इसमें मंत्री जितेंद्र अवार्ड को किसी प्रकार की कोई भी निधि नहीं दी गई है यह बात को लेकर गत 27 जनवरी गुरुवार शाम को प्रेस कॉन्फ्रेंस मैं एआईएमआईएम के नेता जावेद सिद्दीकी ने सत्ताधारी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा यह सत्ताधारी पार्टी मुंब्रा की भोली भाली जनता को गुमराह कर रही है सत्ताधारी पार्टी के नेता द्वारा यह बताया गया है जो निधि 50 लाख रुपए की मिट्टी भरने का काम कब्रस्तान में किया जा रहा है वह निधि कलवा मुंब्रा के विधायक तथा राज्य के गृह निर्माण मंत्री जितेंद्र अवार्ड द्वारा विशेष निधि के तौर पर दी गई है जबकि ऐसा कुछ भी नहीं है यह जानकारी मैंने आरटीआई से प्राप्त की हैं यह विशेष निधि जितेंद्र अवार्ड द्वारा नहीं दी गई है इस आरटीआई के जवाब से जावेद सिद्दीकी ने सत्ताधारी पार्टी को घेरने का काम शुरू कर दिया है यह सत्ताधारी पार्टी

जावेद सिद्दीकी

सिर्फ मुंब्रा की जनता को बेवकूफ बना रही है और कुछ भी नहीं हालांकि अब तक यह साफ नहीं हो पाया है कब्रिस्तान में जो मिट्टी डाली जा रही है वह किसकी निधि से डाली जा रही है यह अभी तक रहस्य बना हुआ है इस पर से पर्दा उठना अभी बाकी है उन्होंने प्रभाग नंबर 30 में एनसीपी के यूनुस शेख द्वारा किया गया ब्यूटीफिकेशन के कामों पर भी सवालिया निशान खड़ा कर दिए हैं उन्होंने कहा है एनसीपी के यूनुस शेख द्वारा यह कहा गया है कि जो ब्यूटीफिकेशन का काम प्रभाग नंबर 30 में किया जा रहा है वह भी आमदार निधी से किया जा रहा है जबकि आरटीआई रिपोर्ट में यह भी साफ स्पष्ट कर दिया गया है प्रभाग नंबर 30 में किसी प्रकार की कोई भी आमदार निधी नहीं दी गई है इस खुलासे ने एमआईएम के जावेद सिद्दीकी को भरपूर मौका दे दिया है सत्ताधारी पार्टी को चारों खाने चित करने का उन्होंने तेवर दिखाते हुए कहा मुंब्रा शहर में जो भी सत्ताधारी पार्टी के विरोध में बात करता है उस पर झूठा एफआईआर दर्ज करा दिया जाता है उन्होंने अपना उदाहरण देते हुए कहा मुझ पर जानलेवा हमला कराने की कोशिश भी सत्ताधारी पार्टी ने की थी लेकिन अब मैं इन से डरने वाला नहीं हूं अब मैं अपनी आवाज बुलंद करूंगा मैं सत्ताधारी पार्टी के पीछे पड़ कर इनके सभी भ्रष्टाचार को उजागर कर मुंब्रा शहर की भोली-भाली जनता के सामने रखूंगा फिलहाल कब्रिस्तान में मट्टी किसकी निधि से डाली जा रही है यह अभी रहस्य बना हुआ है इस मुद्दे पर बात करते हुए दैनिक मुंबई हलचल के पत्रकार अब्दुल समद खान ने एनसीपी के सैयद अली भाई साहब से की तो उन्होंने बताया कि 50 लाख रुपए की यह विशेष निधि मंत्री जितेंद्र अवार्ड द्वारा उपलब्ध कराई गई है और उन्होंने कहा है मैं और 50 लाख रुपए की निधि दूंगा जब पत्रकार द्वारा भाई साहब को यह अवगत कराया गया है की एम आई एम के जावेद सिद्दीकी द्वारा आरटीआई के जवाब में स्पष्ट किया गया है कि इसमें किसी प्रकार की कोई भी विशेष आमदार निधि का जिक्र नहीं किया है सैयदअली भाई साहब तुरंत अपना पल्ला झाड़ते हुए बोले ऐसा मुझे अवार्ड साहब ने कहा था वहीं दूसरी ओर इस मामले में कलवा मुंब्रा के आमदार वह राज्य के गृह निर्माण मंत्री जितेंद्र अवार्ड से सवाल पूछने पर की इस मिट्टी भरने के निधि पर विपक्ष द्वारा आरटीआई से जानकारी प्राप्त कर यह बताया जा रहा है जो निधि 50 लाख रुपए की आपके द्वारा उपलब्ध कराई गई है आरटीआई में यह बताया जा रहा है कि इसमें आपके द्वारा किसी प्रकार भी कोई भी निधि नहीं दी गई है इस सवाल पर जवाब देते हुए कहां की निधि कहां से आई कैसे आई यह सब छोड़ो काम होना चाहिए विपक्ष की अगर ताकत है तो एक ट्रक मिट्टी का डलवा कर बताएं वह सिर्फ राजनीति कर रहे हैं और मैं राजनीति करना कब्रिस्तान के मामले में नहीं चाहता यह सवाब का काम है अब देखना यह है की यह मिट्टी भरने का मामला कहां तक जाता है और इसमें क्या खुलासे सामने आते हैं यह समय ही बताएगा।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा में बड़ा घोटाला

महाराष्ट्र राज्य परीक्षा परिषद द्वारा ली गई 2019-20 में शिक्षक पात्रता परीक्षा में जिन 16 हजार 592 उम्मीदवारों को पास घोषित किया गया था, जांच में पता चला कि उनमें से सात हजार आठ सौ उम्मीदवार फेल थे। फेल हुए विद्यार्थियों को हेराफेरी करके पास करने की इस खबर के सामने आने से खलबली मच गई है। 2018 में हुई परीक्षा में भी बड़े पैमाने पर फेल उम्मीदवारों से पैसे लेकर उन्हें पास करने के आरोपों की जांच शुरू है। इस मामले की जांच के सिलसिले में पुणे साइबर पुलिस राज्य परीक्षा परिषद की ओर से दी गई जानकारियों और परीक्षा के परिणामों की गहराई से पड़ताल कर रही है। इसी जांच के दौरान साइबर पुलिस को 2019-20 के परीक्षा परिणामों को लेकर भी घोटाले का पता चला।

मुंबई: 18,000 रुपये की रिश्वत लेते पकड़ा गया पुलिस कर्मी

उन्होंने कहा, इससे पहले, पुलिस ने कुछ पर्चियां बरामद होने के बाद एक संदिग्ध को हिरासत में लिया था। इन पर्चियों पर 'मटका' जुए की संख्या का उल्लेख था। मामले की जांच कर रहे निंबालकर ने मंसूरी के जरिए संदिग्ध के चचेरे भाई से 20 हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी। उन्होंने बताया कि संदिग्ध के चचेरे भाई ने निंबालकर की रिश्वत की मांग के बारे में 'एसीबी' से शिकायत की और फिर एक जाल बिछाया गया। एजेंसी ने मंसूरी को निंबालकर की ओर से रिश्वत की रकम लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा।

ओमिक्रॉन के बढ़ते मामलों के बीच ब्लैक फंगस ने दी मुंबई में दस्तक

वहीं मुंबई में पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस के 1,384 नए मामले आए हैं और 5686 की रिकवरी हुई हैं। जबकि12 लोगों की कोरोना से मौत हो गई है। मुंबई में कोरोना के एक्टिव मामले 18,040 हैं। मुंबई के लोगों की मुसीबत कोविड केस के कम होने के साथ खत्म नहीं हुई है। दरअसल मुंबई में ब्लैक फंगस का पहला मामला दर्ज किया गया है। यहां 70 साल की एक बुजुर्ग की 5 जनवरी को कोरोना पॉजीटिव रिपोर्ट आई थी।

प्रकाश आंबेडकर का गंभीर आरोप

आगे प्रकाश आंबेडक ने कहा, उन्हें धीरे-धीरे जनाधार कमजोर पड़ने का डर सता रहा है। इसलिए उन्होंने हिंदू-मुस्लिम की राजनीति शुरू की है। मुंबई में भी दंगे होने के हालात पैदा किए जा रहे हैं। जब तक हिंदू-मुस्लिम विवाद पैदा नहीं होता, तब तक उन्हें लगता ही नहीं कि सत्ता उनके हाथ आ सकेगी। इस बीच बीजेपी विधायक अमित साटम ने टीपू सुल्तान नामकरण विवाद पर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को एक पत्र लिखा है।

कर्नाटक के पूर्व सीएम येदियुरप्पा की पोती सौंदर्या ने की आत्महत्या

सौंदर्या बेंगलुरु के एमएस रमैया अस्पताल में एक डॉक्टर थीं। पुलिस के अनुसार, वह शहर के माउंट कार्मेल कॉलेज के पास एक अपार्टमेंट में अपने पति और छह महीने के बच्चे के साथ रह रही थीं। सौंदर्या की दो साल पहले ही शादी हुई थी। वह शुक्रवार सुबह मृत पाई गईं और मौत के कारणों का पता लगाने के लिए शव को पोस्टमॉर्टम के लिए बॉरिंग अस्पताल भेज दिया गया है। बेंगलुरु के हाई ग्राउंड पुलिस स्टेशन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। सौंदर्या येदियुरप्पा की पहली बेटी पद्मा की बेटी थीं। उनकी मौत की खबर से उनके परिवार और प्रदेश बीजेपी को झटका लगा है।

ताप्ती पब्लिक स्कूल की छठी कक्षा के छात्र सुफियान पटेल ने डॉ. होमी भाभा बालवैद्यनिक प्रतियोगिता स्तर 1 पास किया

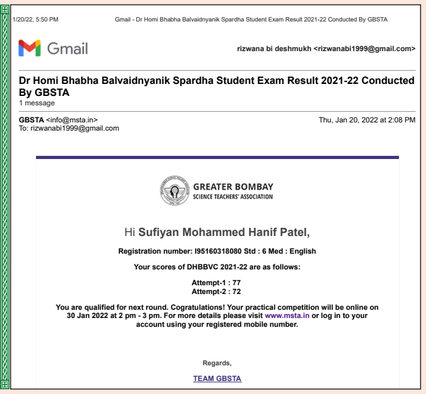
1/20/22, 5:50 PM Gmail - Dr Homi Bhabha Balvaidnyanik Spardha Student Exam Result 2021-22 Conducted By GBSTA

Gmail rizwana bi deshmukh <rizwanabi1999@gmail.com>

Dr Homi Bhabha Balvaidnyanik Spardha Student Exam Result 2021-22 Conducted By GBSTA

1 message

GBSTA <info@msta.in> Thu, Jan 20, 2022 at 2:08 PM
To: rizwanabi1999@gmail.com

GREATER BOMBAY SCIENCE TEACHERS' ASSOCIATION

Hi **Sufiyan Mohammed Hanif Patel,**

Registration number: I95160318080 Std : 6 Med : English

Your scores of DHBBVC 2021-22 are as follows:

Attempt-1 : 77
Attempt-2 : 72

You are qualified for next round. Cogratulations! Your practical competition will be online on 30 Jan 2022 at 2 pm - 3 pm. For more details please visit www.msta.in or log in to your account using your registered mobile number.

Regards,

TEAM GBSTA

आपको यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि सुफियान पटेल ने डॉ. होमी भाभा बालवैद्यनिक प्रतियोगिता स्तर 1 को पास किया और स्तर 2 (Practical परीक्षा) के लिए चयनित हुआ। सूफियान ने परीक्षा में 100 में से 77 अंक प्राप्त किए। ताप्ती पब्लिक स्कूल में छठी कक्षा से सूफियान इकलौता बच्चा है जिसने लेवल-1 पास किया और लेवल-2 (Practical) के लिए चुना गया। जनवरी 2021 के पहले सप्ताह में, मुंबई साइंस टीचर्स एसोसिएशन (MSTA) ने कक्षा 6 और कक्षा 9 दोनों के लिए थ्योरी परीक्षा आयोजित की। लगभग 50,000 छात्रों ने थ्योरी परीक्षाओं के लिए पंजीकरण किया था। **Competition के बारे में:-** ग्रेटर बॉम्बे साइंस टीचर्स एसोसिएशन द्वारा 1981 से कक्षा 6 और 9 के छात्रों के लिए डॉ होमी भाभा बालवैद्यनिक प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। इस अनूठी चार चरणों वाली प्रतियोगिता का उद्देश्य युवा वैज्ञानिकों में जिज्ञासा जगाना, समस्या समाधान करने की प्रवृत्ति के साथ-साथ अवलोकन और कौशल में सटीकता का विकास करना है। छात्रों को विज्ञान में रुचि लेने, वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने और छात्रों में विज्ञान प्रतिभा की खोज करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए मुंबई विज्ञान शिक्षक संघ 1981 से डॉ होमी भाभा बालवैद्यनिक प्रतियोगिता आयोजित करता है। यह प्रतियोगिता 6th&9th तक के छात्रों द्वारा अर्जित वैज्ञानिक ज्ञान पर आधारित है। इस प्रतियोगिता ने पूरे महाराष्ट्र में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। प्रतियोगिता मुंबई, ठाणे, पुणे और नासिक के महानगरों से आगे बढ़ गई है। इस प्रतियोगिता में पूरे महाराष्ट्र के शहरों और कस्बों के उज्ज्वल उत्साही छात्र भाग ले रहे हैं।

एनसीबी ने सुशांत सिंह राजपूत के ड्रग पेडलर पड़ोसी को किया गिरफ्तार

8 महीने से था फरार

मुंबई। सुशांत सिंह राजपूत की मौत के इतने दिनों बाद एक बार फिर से ड्रग्स का मामला मीडिया में छाया हुआ है। सुशांत की मौत के वक्त भी ड्रग्स को लेकर कई लोगों की गिरफ्तारी हुई थी और बॉलीवुड से कई कनेक्शन्स भी निकलकर सामने आए थे लेकिन समय बीतने के साथ ही सब कुछ ठंडे बस्ते में चला गया था लेकिन एक बार फिर से ड्रग्स का ये मामला लाइमलाईट में आ गया है। अब ये खबरें सामने आ रही हैं कि सुशांत सिंह राजपूत की पड़ोस में रहने वाले एक शख्स को एनसीबी यानी नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने गिरफ्तार किया है। सुशांत सिंह राजपूत के पड़ोसी ड्रग पेडलर साहिल शाह एलियस फ्लैको जो कि 8 महीने से फरार था उसे एनसीबी ने गिरफ्तार कर लिया है। एनसीबी अधिकारियों ने कहा कि वो 31 साल के फ्लैको से पूछताछ करेंगे। एनसीबी अधिकारियों ने कहा कि वो पिछले साल अप्रैल में गिरफ्तार आरोपी गणेश शेरे और सिद्धांत अमीन से 25 लाख रुपये मूल्य के 310 ग्राम मारिजुआना और 1.5 लाख रुपये की जब्ती के संबंध में फ्लैको से पूछताछ करेंगे। शेरे ने फ्लैको के संबंध में जानकारी दी थी और एनसीबी के अधिकारियों ने मलाड में उनके फ्लैट पर छापा मारा था, लेकिन वो लापता था। फ्लैको बुधवार देर रात एजेंसी के सामने पेश हुआ और आत्मसमर्पण कर दिया। फ्लैको अपनी पत्नी, एक टेलीविजन अभिनेत्री के साथ दुबई में था। वो हाल ही में भारत लौटा है। एनसीबी के अधिकारियों ने कहा कि फ्लैको का नाम तब भी आया था जब उन्होंने सुशांत सिंह राजपूत से जुड़े ड्रग्स मामले में अगस्त 2020 में पहले दो आरोपियों- करण अरोड़ा और अब्बास लखानी को गिरफ्तार किया था। लेकिन क्यूंकि वो देश से बाहर था, इसलिए उन्होंने ज्यादा पीछा नहीं किया और भारत में संदिग्धों पर ध्यान केंद्रित किया। जबकि शेरे 2021 में एमपीएससी परीक्षा के लिए उपस्थित हुआ था और पुलिस उपायुक्त बनने का सपना देखा था, सिद्धांत अमीन परेल के कॉलेज का छात्र है।

कई अहम जानकारियां आ सकती हैं सामने

ड्रग पेडलर साहिल शाह एलियस फ्लैको की गिरफ्तारी होने के बाद कई अहम जानकारियां निकलकर सामने आ सकती हैं। एनसीबी फ्लैको से क्या पूछताछ करती है ये तो अभी नहीं पता लेकिन ये उम्मीद की जा सकती है कि इसमें उन पन्नों को भी खोलने की कोशिश की जाएगी जो अब तक खुल नहीं पाए हैं।

रवि बिश्नोई का इंटरनेशनल टीम इंडिया मे चयन होने पर बाटी मिठाई

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

जोधपुर। वाय एस एस बल्ड ग्रुप के अध्यक्ष नंदिम बक्ष ने बताया की आज जोधपुर का नाम पुरे भारत भर मे मशहूर हो रहा है जहा से एक चमकता सितारा रवि विश्नोई के भारतीय इंटर नेशनल की टीम मे चयन होने पर खुब मिठाईया बाट कर खुशीया मनाई व जगह जगह लोगो का मुह मिठा करा कर खुशीया मनाई साथ ही साथ इंटरनेशनल खेल के साथ ही एक बेहतरीन खिलाड़ी बन कर जोधपुर का नाम पुरे मुल्क मे नाम रोशन करने पर सभी को चयनकर्ता को हार्दिक बधाई दी।

यह रहे उपस्थितः नदीम बक्ष, मोहसीन शेख, साकिर शेख, जगदीस खन्ना, फजलूरहमान, रहीस बक्ष, एजाज मो, रफिक खान, अमजद बक्ष, यूसुफखान, वसीम कुरेसी, अशफाक हुसैन अफरीदी, ताज मो, जितेंद्र बाँता व कई क्रिकेट प्रेमी साथ थे।

नेहरू युवा केंद्र मुंबई वा द ह्यूमन योगा फाउंडेशन द्वारा गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

मुंबई। भारत वर्ष में 73 वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष में बहुत हर्षोल्लास के साथ नेहरू युवा केंद्र मुंबई वा द ह्यूमन योगा फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष योग गुरु राधे श्याम और सहयोगी टीचर श्री शिवनारायण राजभर राजू राणा अमित जयसवाल सुनील भारती श्याम गुप्ता और योगेंद्र चौधरी जी के माध्यम से कार्यक्रम को संपूर्ण योगदान मिला। 73 गणतंत्र दिवस के रूप में सभी जगहों पर मनाया गया। ठीक उसी प्रकार मुम्बई के सत्यकी नगर, लोअर परेल में दी ह्यूमन योगा फाउंडेशन के सभी होनहार विद्यर्थियों व योगा क्षिक्षक और नगर के लोगो द्वारा 73 वें गणतंत्र दिवस के रूप में सफलतापूर्वक मनाने का कार्य किया इस कार्यक्रम में दूरदराज से उपस्थित महानुभाव व मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए जिसमें मुख्य अतिथि नगरसेवक माननीय संतोष जी खरात विशेष मुख्य अतिथि माननीय श्री सुनील शिंदि जी आमदार उपस्थित रहे बच्चों का कार्यक्रम देखा और तालियों से स्वागत करते हुए उनके उज्जवल भविष्य के बारे में ईश्वर से प्रार्थना भी किए और कहा आने वाले कल को इन बच्चों के द्वारा समाज में एक अच्छा मुकाम हासिल करेंगे। गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर नन्हे मुन्ने बच्चों को जो तालीम उनके गुरुओं द्वारा दिया गया था उन्होंने इस राष्ट्रीय समारोह कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर संगीत योगा डांस और स्वयं की सुरक्षा कि जो तालीम हासिल की थी और उसी अपने कर्तव्य को आए हुए अतिथियों के सामने रंगारंग कार्यक्रम के माध्यम से उपस्थित किए, कार्यक्रम में उपस्थित आए हुए सभी अतिथि गण ने बच्चों को तहे दिल से शुक्रिया व आशीर्वाद दिया बच्चों के सांथ गुरुओं का भी सम्मान किया गया।

AL HOOKAH
SHEESHA & FLAVOUR
Hookah Pot Starting Rs.499
All Flavours Rs.99
All Types of Hookah Flavours & Accessories Available
FREE HOME DELIVERY
Al.HOOKAH: Address, Shop No. 18, Parabha Apartment, Near Oshiwara Bus Depot, Link Road, Goregaon (W), Mumbai-400104
7900061017 / 8652068644 / 8591456564

भय्यू महाराज की आत्महत्या की वजह पता चली, कोर्ट ने पलक समेत तीन लोगों को 6 साल की सजा सुनाई

मुंबई। देश भर में चर्चित हुए भय्यू महाराज आत्महत्या से जुड़े मामले में आखिर इंदौर कोर्ट ने शुक्रवार (28 जनवरी) को फैसला सुना दिया। कोर्ट ने आध्यात्मिक गुरु भय्यू महाराज के मुख्य सेवादार विनायक दुधाले, ड्राइवर शरद देशमुख और केयरटेकर पलक पुराणिक को आत्महत्या के लिए प्रवृत्त करने का दोषी पाया है और इन तीनों को 6 साल की कैद की सजा सुनाई है। इन्हें आईपीसी की धारा 306 के तहत सजा सुनाई गई है। 12 जून 2018 के दिन भय्यू महाराज ने सर्विस रिवॉल्वर से अपने सर पर गोली मार ली थी। कोर्ट ने अपने फैसले में यह स्पष्ट किया है कि सेवकों द्वारा पैसों के लिए ब्लैकमेल किए जाने की वजह से ही भय्यू महाराज ने आत्महत्या कर ली थी। भय्यू महाराज की आत्महत्या के बाद छह महीने में पुलिस ने तीन आरोपियों को अरेस्ट कर लिया था। इसके बाद यह मामला सत्र न्यायालय में साढ़े तीन साल तक चला। 32 गवाहों ने अपने बयान दर्ज करवाए। इसके बाद न्यायमूर्ति धर्मेंद्र सोनी ने फैसला सुनाते हुए कहा कि भय्यू महाराज ने अपने जीवन में परिवार से भी ज्यादा अहमियत अपने सेवकों को दी। उन पर विश्वास किया। अपने आश्रम के कामकाज की उन पर जिम्मेदारी सौंपी। उन्हीं सेवकों ने भय्यू महाराज को धोखा दिया और पैसों के लिए उन्हें ब्लैकमेल करने लगे। शुरूआत में भय्यू महाराज की आत्महत्या का कारण पारिवारिक कलह को समझा गया। उनकी दूसरी पत्नी आयुषी और बेटी कुहू के बीच अनबन की खबरें सामने आई थीं। उनकी बेटी पुणे में रह कर पढ़ाई कर रही थी। आत्महत्या के कुछ महीने पहले ही उन्होंने सामाजिक और आध्यात्मिक कामों से निवृत्ति लेने की इच्छा जताई थी। लेकिन आत्महत्या के छह महीने के अंदर पुलिस ने जिन तीन लोगों को अरेस्ट किया उनमें मुख्य सेवादार, ड्राइवर और एक महिला थी। पलक नाम की इस महिला द्वारा भय्यू महाराज से रिश्ते की बात सामने आई और फिर उसका खुलासा करने का डर दिखा कर ब्लैकमेलिंग की बात सामने आई। आरोप है कि पलक ने भय्यू महाराज से लाखों रुपए ऐंठे। पलक की इस ब्लैकमेलिंग में सेवादार विनायक और ड्राइवर शरद शामिल थे।

पुलिस द्वारा फ्लैग मार्च को दिया गया अंजाम

संवाददाता/नदीम अख्तर

रामपुर। चुनावी हलचल को देखते पुलिस द्वारा फ्लैग मार्च को दिया गया अंजाम, चिन्हित व्यक्तियों के जारी किये गये रेड कार्ड, आचार संहिता का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्य वाही करने की दी गई चेतावनी। विधानसभा चुनावी प्रक्रिया अपनाये जाने को लेकर कोतवाल गौरव सिंह यादव द्वारा मय फोर्स बल के साथ नगर के अनेक मोहल्लों में घूमकर फ्लैग मार्च की कार्य वाही को अंजाम दिया गया साथ ही चिन्हित व्यक्तियों के नाम जो रेड कार्ड जारी किये गये हैं उनके आवासों पर पंहुचकर वितरण किया गया तथा आचार संहिता से सम्बंधित नियम एवं कानून की जानकारी से भी अवगत कराया गया आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले वोटरों को उचकाने या बहकाने आदि के कार्य को अंजाम दिया जाता हैं तब ऐसी दशा में उनके विरुद्ध कड़ी एवं कानूनी कार्य वाही को अम्ल में लाया जायेगा वहीं फ्लैग मार्च की सख्ती को देखते हुए नगर वासियों में खामोशी छाई हुई हैं इस दौरान कोतवाल गौरव सिंह यादव, एस. आई मनोज कुमार महिला कांस्टेबिल सहित अन्य पुलिस बल मौजूद रहा।

मॉल्स बनेंगे मयखाना! सुपर मार्केट में मिलेगी अब शराब, संजय राउत बोले- विरोध करने वाली बीजेपी है किसानों की दुश्मन

मुंबई। मॉल्स, सुपरमार्केट और किराना स्टोर्स में वाइन बिक्री के लिए इजाजत दे दी गई है। गुरुवार को राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला किया गया। इस संबंध में शर्त यह है कि शॉप की साइज एक हजार स्क्वायर फुट से ज्यादा होनी चाहिए। महाराष्ट्र सरकार के इस फैसले का बीजेपी की ओर से विरोध हो रहा है। बीजेपी की ओर से कहा जा रहा है कि सरकार पेट्रोल-डीजल सस्ता करने की बजाए शराब बिक्री की सुविधाएं दे रही है। कुछ समय पहले राज्य सरकार ने चंद्रपुर जिले में शराब बंदी को हटाया था। उस पर विरोध अभी शांत भी नहीं हुआ था कि अब मॉल्स, सुपर मार्केट और किराना दुकानों में वाइन की एक स्टॉल डाल कर शराब बिक्री को इजाजत दे दी है। वाइन बिक्री से मिलने वाले राजस्व को बढ़ाने के लिए सरकार ने यह फैसला किया है। इससे अंगूर और अन्य फल उत्पादक किसानों को फायदा पहुंचाने का मकसद बताया जा रहा है। एनसीपी प्रवक्ता और मंत्री नवाब मलिक ने कहा, किसानों के फल उत्पादनों पर वाइनरी काम करती है। इसे देखते हुए यह बेहद अहम निर्णय है। इस फैसले के विरोध में महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्षी नेता देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि यह महाराष्ट्र है कि मदराष्ट्र है? कोरोना काल में किसानों और गरीबों के लिए एक भी मदद की घोषणा राज्य सरकार ने नहीं की। इन्हें बस शराब की परवाह है। पेट्रोल और डीजल महंगा है और शराब सस्ती हो रही है। इस फैसले की घोषणा की जिम्मेदारी नवाब मलिक को दिए जाने के पीछे की वजह क्या है? इस पर बीजेपी विधायक अतुल भातखलकर ने कहा, गांजा मामले में उनके तजुर्बे को ध्यान में रखते हुए ही शायद राज्य सरकार ने इस फैसले की घोषणा की जिम्मेदारी उन्हें सौंपी हो।

संजय राउत ने बीजेपी के विरोध को किसानों के साथ दुश्मनी बताई

संजय राउत ने बीजेपी के विरोध को गलत बताया है। उन्होंने इस विरोध को किसानों के साथ दुश्मनी बताई। आज मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, वाइनरी का उद्योग बहुत हद तक अंगूर, चीकू, अमरूद और अनाजों पर निर्भर है। किसान जो फल और अनाज उपजाते हैं, उनसे वाइन बनाई जाती है। यह निर्णय किसानों के हित में लिया गया है। किसानों के हित के लिए साहसी फैसले करने पड़ते हैं। जो लोग भी इस फैसले का विरोध कर रहे हैं, वे किसानों के दुश्मन हैं।

बीजेपी के विरोध का नवाब मलिक ने भी दिया जवाबः

बीजेपी द्वारा इस फैसले का विरोध किए जाने का जवाब नवाब मलिक ने भी दिया है। उन्होंने कहा, वाइन मामले में लिए गए निर्णय का विरोध करने वाली बीजेपी अपने राज्यों में क्या कर रही है? गोवा और हिमाचल प्रदेश में, जहां उनकी सरकार है, वहां वह इसी तरह वाइन बिक्री के लिए सहूलियतें दे रही हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

संविधान पार्क बनाने से पहले किसानों की भूमि की नीलामी रुकना जरूरी है, आखिर राजभवन में क्यों चुप रहे अशोक गहलोत

संवाददाता/
सैय्यद अलताफ हुसैन

जयपुर। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर जयपुर स्थित राजभवन (राज्यपाल का सरकारी आवास) में संविधान पार्क का शिलान्यास हुआ। यदि राज्यपाल कलराज मिश्र और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बीच दोस्ताना संबंध नहीं होते तो राजभवन परिसर में संविधान पार्क नहीं बनता। मुख्यमंत्री के निर्देश पर ही जयपुर विकास प्राधिकरण करोड़ों रुपए खर्च कर राजभवन में इस पार्क का निर्माण करवा रहा है। इस तरह का संविधान पार्क देश में पहला है। स्वाभाविक है कि इसका श्रेय कलराज मिश्र को मिलेगा। संविधान पार्क का निर्माण करवाए जाने पर राज्यपाल मिश्र ने मुख्यमंत्री गहलोत का आभार जताया है। शिलान्यास समारोह में राज्यपाल के साथ सीएम गहलोत भी उपस्थित रहे। इस पार्क में विभिन्न कलाकृतियों के माध्यम से संविधान के महत्व के बारे में बताया जाएगा। कलराज मिश्र राजस्थान के राजभवन में रहकर अपनी हर ख्वाहिश पूरी करें और मुख्यमंत्री गहलोत मिश्र को भरपूर तरीके से अब्लाइज करे, इस पर किसी को एतराज नहीं है। लेकिन संविधान पार्क से पहले राजस्थान में किसानों की कृषि भूमि की नीलामी रुकनी चाहिए। 26 जनवरी को कलराज मिश्र और अशोक गहलोत भले ही एक दूसरे की प्रशंसा कर रहे

हो, लेकिन 24 जनवरी को उनके कार्यालय एक-दूसरे को झूठा बता रहे थे। मुख्यमंत्री कार्यालय का कहना रहा कि पिछले दो वर्ष से किसानों की भूमि नीलामी को रोकने वाला बिल राजभवन में लंबित पड़ा है, जबकि राजभवन का कहना रहा कि हमारे पास ऐसा कोई बिल लंबित नहीं है। सवाल उठता है कि जब दो संवैधानिक संस्थाओं के बीच झूठ-फरेब है, तब संविधान पार्क क्यों बनवाया जा रहा है। जब संस्थाएं संविधान की पवित्र भावनाओं के अनुरूप काम नहीं कर रही है, तब संविधान पार्क से क्या शिक्षा ली जाएगी। सवाल यह भी है कि 26 जनवरी को राजभवन परिसर में कलराज मिश्र और अशोक गहलोत मिले तब क्या किसानों की भूमि की नीलामी पर रोक के बिल को लेकर कोई बात हुई। जब कृषि भूमि की नीलामी से परेशान किसान आत्महत्या कर रहा है, तब राज्यपाल और मुख्यमंत्री मिलकर संविधान पार्क बनवा रहे हैं। अच्छा होता कि संविधान पार्क से पहले कृषि भूमि की नीलामी रुकवाई जाती। राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत बार बार देश में तनाव की बात करते है, जबकि उनके प्रदेश में किसानों की भूमि की नीलामी हो रही है, यह हमारे अन्नदाता के परिवार में तनाव नहीं है? सीएम गहलोत बताए कि राजस्थान में कृषि भूमि की नीलामी होती है, तो कौन जिम्मेदार है? इसे राजनीति का दोगला चरित्र ही कहा जाएगा कि दो दिन पहले जो संवैधानिक संस्थाएं एक दूसरे को झूठा बता रही थी। ऐसी राजनीति? राजभवन में चुप्पी क्यों? 26 जनवरी को जयपुर में कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय में गणतंत्र दिवस के समारोह के दौरान सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि यदि राज्यपाल रोड़ा एक्ट के संशोधन के बिल को मंजूरी दे दे तो कृषि भूमि की नीलामी रुक सकती है।

एमआईएमपार्टी ने पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का पुतला फूंका

संवाददाता/अशफाक युसुफ

धामनगाव बढ़े। इतिहास के पन्नों में एक ऐसा योद्धा भी था जिसकी दिमागी सूझबूझ और बहादुरी ने अंग्रेजों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। अपनी वीरता के कारण ही वह 'शेर-ए-मैसूर' टीपू सुल्तान कहलाते है। जिन के खिलाफ अपशब्द कह उन का अपमान करने वाले महाराष्ट्र के विरोधी पक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किये जाने की गई सात ही टीपू सुल्तान चौक में देवेंद्र फडणवीस का पुतला जला कर कड़े शब्दों में निषेद किया गया धामनगाव शहर एम, आय एम ने मोताला तहसील के सात विभाग की ओर से आज 28 जनवरी एक ज्ञापन थानेदार को दिए

गए ज्ञापन के जरिये की गई है। ज्ञापन में कहा गया की टीपू सुल्तान ने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई में अपने प्राणों की आहुति देकर भारत की आजादी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुंबई के मालवानी इलाके में एक मैदान का नाम टीपू सुल्तान के नाम पर रखा गया है। लेकिन अपनी राजनीतिक रोटियां सेखने वाले महाराष्ट्र में विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस ने स्वतंत्रता सेनानी टीपू सुल्तान को धर्म के खिलाफ बताकर उनका अपमान किया है। इस का निषेध कर देवेंद्र फडणवीस के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा दर्ज किया जाने की मांग मोताला शहर के सात धामनगाव बढ़े एम, आय, एम,की ओर से की गई है।

मोहम्मद रईस शेख को वार्ड संख्या 44 का अध्यक्ष मनोनीत किया

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

जोधपुर। मारवाड शेख सैयद मुगल पठान जिला विकास समिति के जिला अध्यक्ष उस्ताद हाजी हमीम बक्ष ने बताया की आज समाज के लिए जागरूक होना जरूरी हे तभी समाज को आगे बढाया जा सकेगा जिसके चलते जिला अध्यक्ष उस्ताद हाजी हमीम बक्ष ने मारवाड शेख सैयद मूगल पठान जिला विकास समिति का विस्तार करते हुए (मोहम्मद रईस शेख,को वार्ड सख्या 44 के अध्यक्ष, पद पर मनोनीत करके उनको जिम्मेदारी सोपी।इस दौरान सभी जिला कमेटी के पदाधिकारी व सदस्य मोजूद थे।

तेरह साल की बेटी सुहाना पठान ने दिया ईमानदारी का परिचय

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

राजसमंद, आमेट। मुस्लिम समाज की 13 वर्षीय बालिका सुहाना पठान ने ईमानदारी का परिचय देते हुए कीमती मोबाइल लौटाया प्राप्त जानकारी के अनुसार मुस्लिम महासभा जिला उपाध्यक्ष व कॉम सिपाही यान कमेटी के प्रवक्ता की बेटी सुहाना खान पठान ने इमानदारी का परिचय दिया सुहाना खान पठान दूध लेने डेरी पर गई थी दूध लाते समय रास्ते में एक मोबाइल मिला सुहाना खान आमेट थाने में जाकर एस ए आई निसार अहमद को सोपा मोबाइल देखकर मोबाइल मालिक रमेश लाल साहू को बुलाकर वापस लौटाया मोबाइल की कीमत बिल देखकर मोबाइल चौबीस हजार का था मोबाइल देते समय एस ए आई निसार अहमद, मुस्लिम महासभा जिला उपाध्यक्ष फारुख पठान मुस्लिम महासभा खेल मंत्री फारुख शाह व मोबाइल मालिक रमेश लाल साहू मौजूद थे सुहाना खान पठान को एस आई निसार अहमद व मोबाइल मालिक रमेश लाल साहू ने लड़की सुहाना को शाबाशी दी बताया कि मेरे मोबाइल में बहुत काम के डेकोमैक्स थे मोबाइल मिलते ही बहुत खुश हो गया।

माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में पारसी शिक्षकों की नियुक्ति की सरकार से मांग : ऑल इंडिया अल्पसंख्यक मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजूर आलम

मधुबनी। ऑल इंडिया अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजूर आलम ने निवेदन पूर्वक सरकार से फारसी शिक्षकों को अतिशीघ्र प्रदेश के माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में नियुक्ति हेतु मांग की। इस संदर्भ में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बिहार सरकार के मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री को पत्र भी भेजा है। कई दशकों से विद्यालयों में फारसी शिक्षकों की नियुक्ति लंबित है, जिस पर पक्ष या विपक्ष के किसी भी नेताओं द्वारा सदन में आवाज नहीं उठाई जाती। विद्यालयों में फारसी के शिक्षक नहीं होने के कारण फारसी की पढ़ाई नहीं हो पाती है जबकि दूसरी भाषाओं के शिक्षकों की बहाली बार-बार हो रही है। यही हाल रहा तो धीरे-धीरे फारसी भाषा एवं फारसी पद विद्यालयों से समाप्त

हो जाएंगे। फारसी पढ़ाने के लिए प्रदेश स्तर के माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में फारसी शिक्षकों की नियुक्ति अविलंब करने की आवश्यकता है। इन मुद्दों की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजूर आलम ने कहा कि फारसी शिक्षकों की नियुक्ति लंबित होने के कारण अल्पसंख्यक समुदाय में काफी आक्रोश है क्योंकि उनके बच्चे-बच्चियां फारसी नहीं पढ़ पाते हैं। ऑल इंडिया अल्पसंख्यक मोर्चा के उपाध्यक्ष राशिद हुसैन ने भी जोर देकर सरकार से मांग की कि अति शीघ्र विद्यालयों में फारसी शिक्षकों की नियुक्ति कर विद्यार्थियों की परेशानी को दूर करने एवं अल्पसंख्यक मोर्चा की मांगों को पूरा करने का सरकार प्रयास करें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

डायबिटीज और डैंड्रफ की देसी दवा है Blueberry

फल खाने में स्वादिष्ट ही नहीं बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद होते हैं, उन्हीं में से एक है ब्लूबेरी। ब्लूबेरी का नाम सुनते ही मुंह में पानी आ जाता है। एंटीऑक्सीडेंट और फाइटोन्यूट्रिएंट्स जैसे पोषक तत्वों से भरपूर ब्लूबेरी का सेवन कई बीमारियों से छुटकारा दिलाने में मदद करता है। इतना ही नहीं, इससे आप अपनी कई ब्यूटी प्रॉब्लम्स से भी छुटकारा पा सकते हैं। चलिए आज हम आपको ब्लूबेरीज के कुछ ऐसे फायदे बताते हैं, जिसके बाद आप भी इसका सेवन शुरू कर देंगे।

ब्लूबेरी के गुण

1 कप ब्लूबेरी में 85 कैलोरी व 0.5 ग्राम फैट के अलावा 1.5 ग्राम सोडियम, 114 ग्राम पोटेशियम, 21 ग्राम कार्बोहाइड्रेट्स, 14% डाइटरी फाइबर, 15 ग्राम शुगर, 2% प्रोटीन, विटामिन ए, 24% विटामिन सी, 2% आयरन, 5% विटामिन इ-6 और 2% मैग्नीशियम होता है।

कुकिंग के साथ-साथ आसान स्टेप में करें फेशियल

आजकल हर किसी को टाइम न होने की शिकायत होती है और औरतें इस लाइफस्टाइल में सबसे ज्यादा बिजी होती है। वर्किंग हो या हाउसवाइफ, काम के चक्कर में महिलाएं इतना बिजी हो जाती है कि खुद पर ही ध्यान नहीं दे पाती। कुछ महिलाएं तो काम के चक्कर में फेशियल या क्लीनअप भी नहीं करवा पाती।आज हम आपको किचन की कुछ चीजों से ही फेशियल करने का तरीका बताएंगे और खास बात तो यह है कि इसे आप अपने कुकिंग टाइम यानि खाना बनाते समय भी कर सकती हैं।अगर आप भी बिजी होने के कारण फेशियल नहीं करवा पाती तो कुकिंग के दौरान आसान स्टेप और किचन की इन चीजों से करें फेशियल और पाएं नेचुरल ग्लो।

● **दही से करें क्लींजिंग**
शायद आप जानते नहीं होंगे कि दही में लैक्टिक एसिड बैक्टीरिया होता है जिसकी वजह से दही ब्लीचिंग करने में काम आता है। अगर आप आज रायता बनाने जा रहे है तो उसमें से थोड़ा दही निकाल कर अपने फेस पर लगा सकते है। 15 तक दही को अपने चेहरे पर लगाए रखें। तब तक आप रायता भी तैयार कर सकती है और आपके फेशियल का पहला स्टेप भी खत्म हो गया है।

● **कुक्कर की सिटी से स्टीम**
चावल बनाते वक़्त आप माइक्रोवेव का इस्तेमाल न करके गैस पर कुक्कर चढ़ाए और जैसे ही कुक्कर की सिटी आए तो अपना फेस भाप की तरफ करदें। यह प्रक्रिया करने से आपके फेस को स्टीम मिलेगी और आपके चेहरे की सारी गंदगी साफ हो जाएगी।यह करने से फेशियल का दूसरा स्टेप भी खत्म हो जाएगा।

● **हींग से करें स्क्रबिंग**
दाल में तड़का लगाते वक़्त हींग का प्रयोग जरूर करें। हींग के अंदर औषधि तत्व होते है जो उसे बाकी मसालों से अधिक गुणकारी बनाते है। आप इससे अपने चेहरा का स्क्रब कर सकती है।यह किसी भी स्किन टाइप के लिए प्रयोग किया जा सकता है।यह आपके फेशियल का तीसरा स्टेप है।

● **बेसन का फेसपैक**
बेसन के फेसपैक के बारें में तो सबको ही पता है। आप अपने फेशियल के इस अहम स्टेप को जरूर करें और अपनी ग्लोइंग त्वचा को जरूर निहारें। आप बेसन में थोड़ा सा दूध और हल्दी भी मिलाएं ,इससे त्वचा पर और निखार आएगा।

● **घी से करें मॉइस्चराइज**
घी हमेशा से इस्तेमाल होने वाला एकमात्र घरेलू मॉइस्चराइजर है जिसे आप अपने आखिरी स्टेप पर जरूर लगाए। यह आपकी स्किन को अच्छे से मॉइस्चराइज करेगा। इसमें पार्याप्त वसा आपके स्किन पर इंस्टेंट ग्लो लाएगा।

ब्लूबेरीज के हेल्थ बेनिफिट्स

➤**ब्रेन के लिए फायदेमंद** - रोजाना 1 कटोरी ब्लूबेरीज खाने से ब्रेन फंक्शन बूस्ट होता है और दिमाग तेज होता है। इसके अलावा इसका सेवन अल्जाइमर, बैरीस जैसी बीमारियों से भी बचाता है। साथ ही ब्लूबेरी में फाइटोन्यूट्रिएंट्स, मिनरल्स और विटामिन पाए जाते हैं जो मस्तिष्क की कोशिकाओं का विकास करते हैं।

➤**तनाव को रखें दूर** - इसका सेवन करने से नर्वस सिस्टम ठीक रहता है, जिससे तनाव और डिप्रेशन की समस्या नहीं होती है। अगर आपको स्ट्रेस हो तो मुट्ठीभर ब्लूबेरी का सेवन करें। इससे स्ट्रेस मिनटों में दूर हो जाएगा।

➤**दिल को रखे स्वस्थ** - इसमें फ्लेवोनोइड्स पाया जाता है जो शरीर में खून के थक्के बनने को रोकता है। इससे दिल स्वस्थ रहता है और हार्ट अटैक व स्ट्रोक का खतरा कम होता है।

➤**पाचन क्रिया के लिए फायदेमंद** - जिन लोगों की पाचन क्रिया ठीक नहीं रहती और भोजन पचाने में परेशानी होती है उनके लिए ब्लूबेरी रामबाण औषधी है। इसमें फाइबर और मिनरल्स भरपूर मात्रा में होते हैं, जिससे कब्ज, एसिडिटी जैसी पाचन समस्याएं दूर रहती हैं।

➤**कैंसर से बचाव** - शोध के अनुसार, जो लोग रोजाना ब्लूबेरी का सेवन करते हैं उनमें कैंसर का खतरा 50% तक कम होता है। दरअसल, इसमें कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो शरीर में कैंसर सेल्स को बढ़ने से रोकते हैं।

➤**लिवर के लिए फायदेमंद** - रोजाना ब्लूबेरी का जूस पीने से लिवर डिटॉक्सीफाई होता है, जिससे आप कई बीमारियों से बचे रहते हैं। साथ ही इससे किडनी भी डिटॉक्स होती है।

➤**आंखों के लिए फायदेमंद** - फाइटोन्यूट्रिएंट्स ऑक्सीडेंट से भरपूर होने के कारण ब्लूबेरी आंखों के रेटिना को खराब होने से बचाता है। साथ ही इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट आंखों की रोशनी बढ़ाने के साथ मोतियाबिंद जैसी समस्याओं से भी बचाता है।

➤**महिलाओं के लिए फायदेमंद** - जहां ब्लूबेरी का सेवन पीरियड्स दर्द से छुटकारा दिलाता है वहीं प्रेगनेंसी में भी इसका सेवन काफी फायदेमंद है। साथ ही इससे यूरिन इंफेक्शन का खतरा भी कम होता है।

➤**वजन कम करने में मददगार** - अगर आप भी बढ़ते वजन को लेकर परेशान है तो रोज सुबह 1 कटोरी ब्लूबेरी खाएं। इससे भूख कंट्रोल होती है, जिससे आप ओवरइटिंग नहीं करते और वजन घटाने में मदद मिलती है।

➤**डायबिटीज में लाभदायक** - इसमें शर्करा का स्तर बहुत कम होता है। ब्लूबेरी मेटाबॉलिज्म की क्रिया को सुचारू रूप से चलाता है। शरीर के सभी अंगो तक ग्लूकोस पहुंचाने का काम करता है। खून के भीतर शर्करा का स्तर संतुलित रखता है, जो डायबिटीज मरीजों के लिए फायदेमंद है।

➤**मजबूत हड्डियां** - ब्लूबेरी में विटामिन ड, जस्ता, मैंगनीज, लोहा, फास्फोरस, मैग्निशियम, कैल्शियम पाया जाता है, जो बढ़ती उम्र में भी बोन डेंसिटी को कम नहीं होने देता और हड्डियों को मजबूत बनाए रखता है।

बेलूबेरीज के ब्यूटी बेनिफिट्स

➤**त्वचा के लिए फायदेमंद** - ब्लूबेरी खाने से लोग लंबे समय तक जवान और खूबसूरत दिखाई देते हैं क्योंकि यह मुहांसों को रोकता है। साथ ही यह सूरज की खतरनाक अल्ट्रावायलेट किरणों से त्वचा को बचाता है। चेहरे पर पड़ने वाली झुर्रियों और अन्य प्रकार की समस्याओं को दूर करता है।

➤**डार्क पिग्मेंटेशन** - पिसी हुई स्ट्रॉबेरी,शहद और नींबू का रस मिलाकर चेहरे व गर्दन पर 10 मिनट के लिए लगा रहने दें। फिर ताजे पानी से चेहरा धो लें। इससे डार्क पिग्मेंटेशन गायब हो जाएंगे और आप एंटी-एजिंग की समस्याओं से भी बचे रहेंगे।

➤**पिंपल्स व दाग-धब्बे** - ब्लूबेरी को अच्छे से क्रश करके उसमें 1 टेबलस्पून दही और 1 टीस्पून शहद मिलाकर चेहरे पर स्क्रबिंग करें। फिर 10-15 मिनट बाद चेहरे को ताजे पानी से धो लें। इससे पिंपल्स, मुहांसे व दाग-धब्बे गायब हो जाएंगे।

➤**बालों के लिए फायदेमंद** - ब्लूबेरी का रस और जैतून का तेल मिलाकर लगाने से बाल घने और काले होते हैं। बालों के विकास में मदद मिलती है। साथ ही इससे डैंड्रेफ की समस्या भी नहीं होती।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सलमान खान की छत्रछाया से दूर जाना चाहती हैं यूलिया वंतूर

यूलिया वंतूर हमेशा से सलमान खान की खास दोस्त होने के नाते चर्चा में रही हैं। लेकिन इन दिनों वह अपने नए सॉन्ग 'मैं चला' को लेकर भी सुर्खियां बटोर रही हैं। यूलिया कहती हैं कि सलमान खान का टैग साथ हो तो इसके फायदे भी हैं और नुकसान भी। वह यह भी मानती हैं कि सलमान एक बेहतरीन इंसान हैं, लेकिन यूलिया का कहना है कि वह सलमान से इतर अपनी एक अलग पहचान बनाना चाहती हैं। उनकी छाया में नहीं जीना चाहतीं। यूलिया कहती हैं, सलमान एक बेहतरीन इंसान हैं और जबरदस्त ऐक्टर हैं। उन्हें इस फील्ड का बहुत बढ़िया अनुभव है। जब आप उनके आसपास होते हैं तो आपको उनसे सीखने को बहुत कुछ मिलता है। यूलिया आगे खुद के बारे में बात करते हुए कहती हैं, 'जहां मेरा खुद के बारे में सोचना है तो मुझे अपनी खुद की पहचान के साथ काम करना है। मैं इस पर काम भी कर रही हूं। खासकर इसलिए कि लोग मुझे यहां अच्छी तरह नहीं जानते हैं, इसलिए मेरे लिए यह करना जयादा जरूरी है। यूलिया से पूछा गया कि सलमान जैसे सुपरस्टार की 'छाया' से निकलना कितना आसान है, तो उन्होंने कहा, आपके इसके लिए एक्सट्रा एफर्ट लगाने होगें। निश्चति तौर पर इसके फायदे और नुकसान दोनों हैं। उनके साथ की वजह से आपको विजिबिलिटी मिलती है, आप दिखते हैं और यह बहुत मदद करता है।

बेटी और काम दोनों संभालेंगी प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस पैरेंट्स क्लब में शामिल हो गए हैं। हाल में ही दोनों ने गुड न्यूज सुनाई कि वह सरोगेसी के जरिए माता-पिता बन गए हैं। खबरें हैं कि प्रियंका चोपड़ा के घर बेटी ने जन्म लिया है। इस खुशखबरी के बीच कई तरह के रियूमर्स भी तैरने लगे हैं। कुछ गॉसिप्स उनके काम को लेकर तो कुछ अफवाहें उनकी पर्सनल लाइफ को लेकर चल रही हैं। जैसे हाल में ही खबरें आई थीं कि प्रियंका चोपड़ा बेटी के जन्म के चलते काम से रेस्ट लेंगी और इसके तहत वह फरहान अख्तर की आने वाली फिल्म 'जी ले जरा' से पल्ला झाड़ सकती हैं। कहा जा रहा था कि प्रियंका चोपड़ा अपनी अगली बॉलिवुड फिल्म 'जी ले जरा' को नहीं करेंगी क्योंकि वह अब अपनी बेटी की परवरिश पर ध्यान देना चाहती हैं। सूत्रों से इस खबर की पड़ताल की तो मालूम चला कि ये महज आधारहीन गॉसिप्स हैं। सूत्रों के हवाले से बताया गया कि, प्रियंका चोपड़ा को लेकर इस तरह की खबरें महज अफवाहें हैं। ये पूरी तरह से झूठ और आधारहीन है। 22 जनवरी 2022 को प्रियंका और निक जोनस ने सोशल मीडिया पर ऐलान किया कि वह पैरेंट्स बन गए हैं। दोनों ने सरोगेसी के जरिए पहले बच्चे को जन्म देने दिया है। हम चाहते हैं कि सब हमारी प्राइवेसी का सम्मान करें ताकि हम अपने परिवार पर फोकस कर सकें।

रवीना टंडन ने राजनीति में एंट्री लेने पर कही बड़ी बात

बॉलीवुड ऐक्ट्रेस रवीना टंडन ने भले ही फिल्म में राजनेता का किरदार निभाया है लेकिन वह असल जिंदगी में कभी भी राजनीति का हिस्सा नहीं बनना चाहती हैं। हां अगर वह इसके लिए तैयार रहीं, तो जरूर हां बोल देंगी। उनका कहना है कि उन्हें पहले कई ऑफर्स आए लेकिन उन्होंने सब ठुकरा दिए। रवीना से जब पूछा गया कि क्या वह राजनीति में एंट्री की तैयारी कर रही हैं? तो इस पर वह कहती हैं, 'कभी नहीं तो नहीं कहूंगी। एक समय ऐसा जरूर आया था जब मैं इसके बारे में विचार कर रही थी। मुझे पश्चिम बंगाल, पंजाब, मुंबई की सीट ऑफर भी हुई थीं। लेकिन मैंने उस समय मना कर दिया था। क्योंकि मैं इन सब के लिए तैयार नहीं थी। वैसी भी मैं अभी तक किसी भी पॉलिटिकल पार्टी और उनकी विचारधारा से प्रभावित नहीं हुई हूं। जिस पर मैं आंख बंद करके भरोसा कर सकूं। मैं कई बातों पर असहमत हूं। और कई बार इन्हीं असहमतियों से मुझे डर भी लगता है। और अगर कल तो मुझे इसका एहसास हुआ कि मैं कर लूंगी या फिर मैं ये सब झेलने के लिए तैयार हूं तो मैं हां कह दूंगी। अभी मैं ना नहीं कहूंगी कि मैं इसमें नहीं आउंगी।' बता दें कि ऐक्ट्रेस ने तीन-चार पहले राजनीति में एंट्री करने के सवाल पर कहा था, 'रवीना ने कहा, 'राजनीति में जाने को लेकर मेरे मन में बड़ी दुविधा है। पॉलिटिक्स शायद मेरे जैसे स्पष्टवादी लोगों के लिए नहीं है। राजनीति एक बहुत ही गंदा खेल है और मैं बहुत स्पष्टवादी हूं, सब कुछ साफ-साफ कहने की आदत है मुझे।